23. सात पूँछ का चूहा

एक था चूहा। उस चूहे की सात पूँछें थीं।
सब उसे चिढ़ाते – सात पूँछ का चूहा, सात पूँछ का चूहा।
तंग आकर चूहा गया नाई के पास। उसने नाई से कहा – ए नाई, मेरी एक पूँछ काट दो।
नाई ने एक पूँछ काट दी। अब उसके पास बची सिर्फ़ छह पूँछें।
अगले दिन जैसे ही चूहा बाहर निकला, सब उसे चिढ़ाने लगे छह पूँछ का चूहा, छह पूँछ का चूहा।
चूहा फिर से तंग आ गया। वह गया नाई के पास।
उसने कहा – ए नाई, मेरी एक पूँछ और काट दो।
नाई ने एक पूँछ और काट दी। अब उसके पास बचीं सिर्फ़ पाँच पूँछें।

© NCERT not to be republished

पर अगले दिन सब उसे फिर से चिढ़ाने लगे – पाँच पूँछ का चूहा, पाँच पूँछ का चूहा।

चूहा गया नाई के पास – ए नाई, मेरी एक पूँछ और काट दो। नाई ने एक पूँछ और काट दी। अब उसके पास बचीं सिर्फ़ चार पूँछें।

पर सब उसे फिर से चिढ़ाने लगे – चार पूँछ का चूहा, चार पूँछ का चूहा।

चूहा गया नाई के पास। नाई ने एक पूँछ और काट दी। अब उसके पास बचीं सिर्फ़ तीन पूँछें।

पर सब उसे चिढ़ाते तीन पूँछ का चूहा, तीन पूँछ का चूहा।
चूहा गया नाई के पास।
नाई ने एक पूँछ और काट दी। अब उसके पास बचीं दो ही पूँछें।
पर सब उसे चिढ़ाते – दो पूँछ का चूहा, दो पूँछ का चूहा।
तो चूहा गया नाई के पास। नाई ने एक पूँछ और काट दी।
अब वह एक पूँछ का चूहा हो गया।
पर सब उसे चिढ़ाते। एक पूँछ का चूहा, एक पूँछ का चूहा।
तो चूहा गया नाई के पास। नाई ने आखिरी पूँछ भी काट दी। अब पूँछ ही नहीं बची।
लेकिन फिर भी सब चूहे को चिढ़ाते – बिना पूँछ का चूहा, बिना पूँछ का चूहा।

© NCERT not to be republished

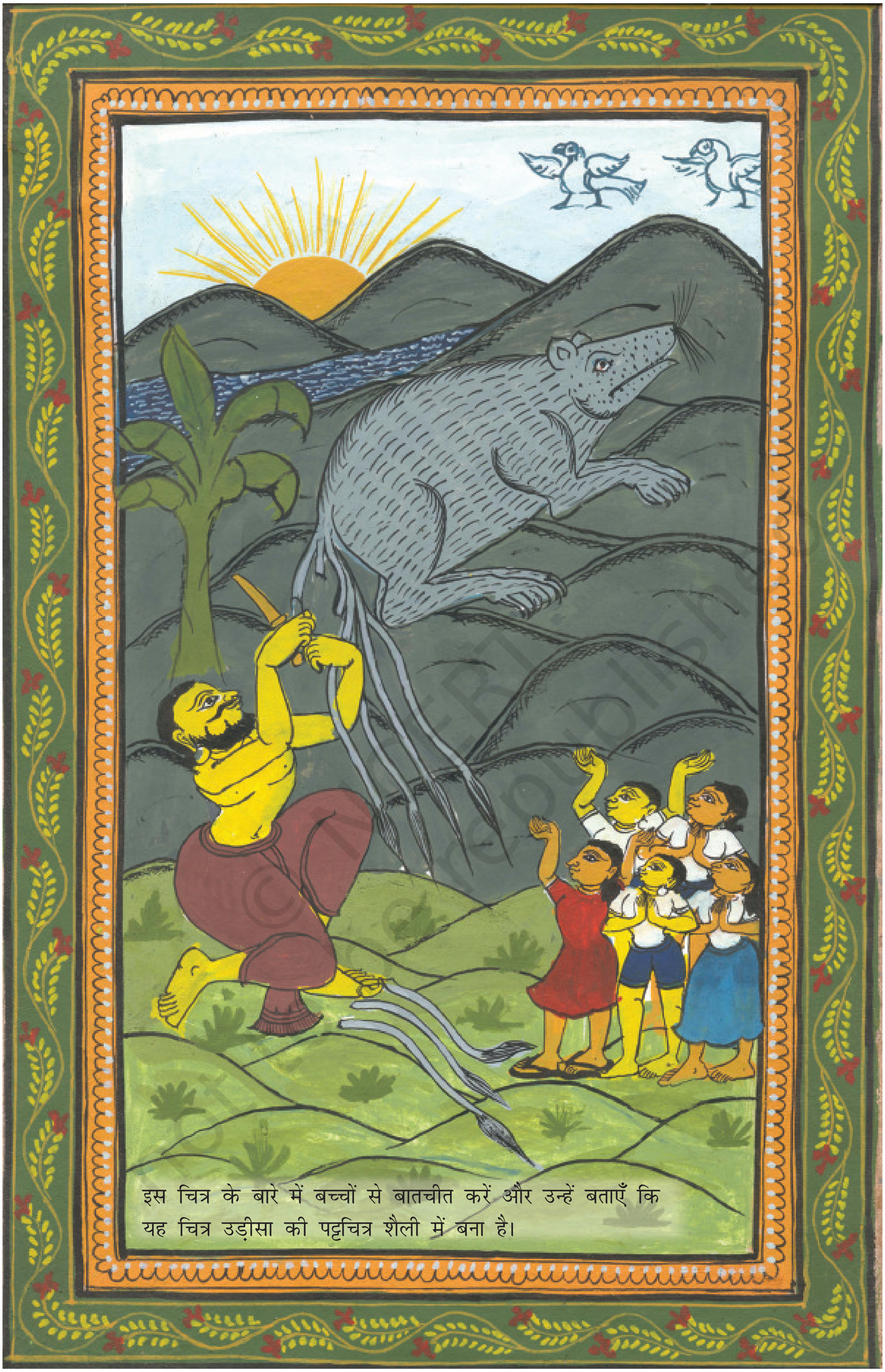

इस चित्र के बारे में बच्चों से बातचीत करें और उन्हें बताएँ कि यह चित्र उड़ीसा की पट्टचित्र शैली में बना है।

क्या होता अगर?

चूहे ने बेकार ही सातों पूँछें कटवा लीं। सोचो तो, सात पूँछों से वह कितना सारा काम कर लेता। बताओ ये क्या-क्या कर पाते अगर–

- हाथी के पास चार सूँड़ होती तो...

  ....

  ....

- बंदर की तीन पूँछ होती तो...

  ....

  ....

- ऊँट की गर्दन खूब-खूब लंबी होती तो...

  ....

  ....

- दूसरों की बातों में न आकर चूहा अपने दिमाग से काम लेता तो...

  ....

  ....

© NCERT not to be republished

बिना पूँछ के, अब क्या होगा?

रंग–बिरंगे कागज़ के टुकड़े करके चूहे के चित्र में चिपकाओ।

चूहा बिना पूँछ के क्या नहीं कर पाएगा?

....

....

....

....

....

© NCERT not to be republished